The Hawk
26-10-2021

Training On Para Taxonomy At FRI

Dehradun (The Hawk): A five days training on Para-taxonomy is being organized by Forest Research Institute, Dehradun from 25-10-2021 to 29-10-2021 for the local residents (25 no.)of Gangotri-Govind and Darma-Byans valley. It is part of UNDP SECURE Himalaya project which is being implemented through Uttarakhand Forest Department. The chief guest of the program Sh. R. P. Singh, I.F.S., Head, Silviculture and Forest Management Division inaugurated the program and apprised the participants about their responsibilities and rights in the ecology of the inaccessible Himalayan region. He also emphasized on the contribution of the snow leopard to the ecology of the upper Himalayan region.The special guest of the program Sh.Ranjan Kumar Mishra, I.F.S., Additional Chief Conservator of Forests (Wildlife) and Nodal Officer, Secure Himalaya Project encouraged the trainees for participation in the program. He, further, said that Para-taxonomist has the similar role in biodiversity conservation as Para-military in the security of the country.Dr. Anup Chandra, Head, Forest Botany Division, welcomed the guests and briefed about the program. He informed that various important topics such as method of plant collection and importance of herbarium, mushrooms and diseases, butterflies diversity, nursery techniques, People Biodiversity Register etc. will be covered. Smt. Aparna Pandey, State Project Officer, UNDP, briefly described the various aspects of the Secure Himalya project. On this occasion, abook based on the success story of the trained people from the workshops organized earlier, was also released. In the end, Dr. Praveen Kumar Verma, Scientist, Forest Botany Division, presented vote of thanks.

The Himachal Times
26-10-2021

FRI organizes 5 day training on Para-taxonomy

DEHRADUN, OCT 25 (HTNS) A five days training on Para-taxonomy is being organized by Forest Research Institute, Dehradun from 25 to 29 October for the local residents of Gangotri-Govind and Darma-Byans valley.

It is part of UNDP SECURE Himalaya project which is being implemented through Uttarakhand Forest Department.

The chief guest R. P. Singh, I.F.S., Head, Silviculture and Forest Management Division inaugurated the program and apprised the participants about their responsibilities and rights in the ecology of the inaccessible Himalayan region.

The chief guest R. P. Singh, I.F.S., Head, Silviculture and Forest Management Division inaugurated the program and apprised the participants about their responsibilities and rights in the ecology of the inaccessible Himalayan region.

He also emphasized on the contribution of the snow leopard to the ecology of the upper Himalayan region.

The special guest of the program Ranjan Kumar Mishra, I.F.S., Additional Chief Conservator of Forests (Wildlife) and Nodal Officer, Secure Himalaya Project encouraged the trainees for participation in the program.

In the end, Dr. Praveen Kumar Verma, Scientist, Forest Botany Division, proposed the vote of thanks.

Uttarakhand Dainik News Detail
26-10-2021l

एफआरआई में पैरा टेक्सोनोमी पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन

देहरादून, संवाददाता। वन अनुसन्धान संस्थान देहरादून में यू.एन.डी.पी. एवं उत्तराखंड वन विभाग के सहयोग से गंगोत्री-गोविन्द एवं दारमा-ब्यास घाटी के स्थानीय निवासियों के लिये पैरा टेक्सोनोमी विषय पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला शुरु हुई। यह कार्यशाला 29 अक्टूबर तक चलेगी। कार्यशाला में हिमालय के दुर्गम क्षेत्रों से आये 25 प्रशिक्षु भाग ले रहे हैं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आर. पी. सिंह, भा. व. से., प्रभाग प्रमुख, वन संवर्धन एवं प्रबंधन प्रभाग ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया एवं प्रतिभागियों को दुर्गम हिमालय क्षेत्र की पारिस्थितिकी में उनकी जिम्मेदारियों एवं अधिकारों से अवगत कराया। साथ ही, हिम तेंदुए का ऊपरी हिमालय क्षेत्र की पारिस्थितिकी में योगदान पर जोर दिया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि रंजन कुमार मिश्रा, भा. व. से., अपर प्रमुख वन संरक्षक (वन्यजीव) एवं नोडल अधिकारी, सिक्योर हिमालय परियोजना ने कार्यक्रम में भाग ले रहे। प्रशिक्षुओं का उत्साहवर्धन किया, उन्होंने आगे कहा कि पैरा-टेक्सोनोमिस्ट का जैव-विविधता संरक्षण में वही योगदान है, जैसा कि पैरा-मिलिट्री का देश की सुरक्षा के लिए है। कार्यक्रम के आयोजक वन वनस्पति विज्ञान प्रभाग के प्रभाग प्रमुख डॉ. अनूप चंद्रा ने पैरा टेक्सोनोमी, हिमालय में पाए जाने वाले औषधीय पौधे और उनकी संकटग्रस्त स्थिति पर बात की। उन्होंने आगे बताया कि प्रशिक्षण कार्यशाला के दौरान पौधे संग्रह की विधि एवं हर्बेरियम का महत्व, मशरूम की विविधताएं तथा उनसे पौधों में होने वाले रोग, कीटों, तितलियों इत्यादि की विभिन्न प्रजातियां एवं उनका पादपों से सम्बन्ध तथा पौधों की नर्सरी तकनीकों एवं एवं जैव विविधता रजिस्टर आदि विषयों का प्रशिक्षण दिया जायेगा। उन्होंने बताया की किस प्रकार यह प्रशिक्षण न सिर्फ जीविका उपार्जन में सहायक होगा अपितु जैव विविधता संरक्षण में भी लाभदायक सिद्ध होगा। अपर्णा पांडेय, राज्य परियोजना अधिकारी, यू.एन.डी.पी. सिक्योर हिमालय परियोजना, ने इस कार्यक्रम के विभिन्न पहलुओं का संक्षिप्त में वर्णन किया। इस अवसर पर, पूर्व में आयोजित कार्यशालाओं से प्रशिक्षित लोगों की सफलता की कहानी पर आधारित पुस्तक का विमोचन भी किया गया। अंत में, डॉ. प्रवीण कुमार वर्मा, वैज्ञानिक, वन वनस्पति विज्ञान प्रभाग ने कार्यक्रम में आये अतिथियों एवं प्रशिक्षुओं को धन्यबाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

Rashtriya sahara
26-10-2021

पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला हुई शुरू

देहरादून (एसएनबी)। वन अनुसंधान संस्थान में यूएनडीपी व उत्तराखंड वन विभाग के सहयोग से पैरा टेक्सोनॉमी विषय पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की जा रही है। आगामी 29 अक्टूबर तक आयोजित होने वाली कार्यशाला में गंगोत्री व दारमा व्यास घाटी के 25 स्थानीय निवासी प्रतिभाग कर रहे हैं। वन संवर्धन प्रभाग के प्रमुख डा. आरपी सिंह ने बतौर मुख्य अतिथि सोमवार को प्रशिक्षण कार्यशाला का उद्घाटन किया। इस अवसर पर बुकलेट का विमोचन भी किया गया।

डा. सिंह ने प्रतिभागियों को दुर्गम हिमालय क्षेत्र की पारिस्थितिकी में उनकी जिम्मेदारी व अधिकारों के बारे में अवगत कराया। इसके साथ ही हिम तेंदुए का उपरी हिमालयी क्षेत्र की पारिस्थितिकी में योगदान पर जोर दिया। अपर प्रमुख वन संरक्षक रंजन कुमार मिश्रा ने पैरा टोक्सोनोमिस्ट का जैव विविधता संरक्षण में योगदान विषय पर विस्तार से प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि पैरा टोक्सोनोमिस्ट का जैव विविधता संरक्षण में उसी तरह योगदान है जैसा कि पैरा मिलिट्री फोर्स का देश की सुरक्षा के लिए। वनस्पति विज्ञान प्रभाग के प्रमुख डा. अनूप चंद्रा ने हिमालयी क्षेत्र में पाए जाने वाले औषधीय पौधे और उनकी संकटग्रस्त स्थिति पर जानकारी दी।

कार्यशाला में बुकलेट का विमोचन करते हुए मुख्य अतिथि

राज्य परियोजना अधिकारी अपर्णा पांडे ने बताया कि प्रशिक्षण कार्यशाला में प्रतिभाग कर रहे प्रतिभागियों को पौध संग्रह की विधि व हर्बेरियम का महत्व, मशरूम की विविधताएं व उनमें होने वाले रोग आदि के बारे में जानकारी दी जाएगी। कहा कि यह प्रशिक्षण न सिर्फ इन लोगों की जीविका उपार्जन में सहायक होगा अपितु जैव विविधता संरक्षण में भी लाभदायक सिद्ध होगा। डा. प्रवीण कुमार वर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

Amar Ujala
26-10-2021

पारिस्थितिकी के संरक्षण में हिम तेंदुओं का योगदान अहम

देहरादून। यूनाइटेड नेशंस डेवलपमेंट प्रोग्राम (यूएनडीपी) एवं उत्तराखंड वन विभाग के संयुक्त तत्वाधान में गंगोत्री, गोविंद एवं दारमा-व्यास घाटी के स्थानीय लोगों के लिए पैरा टेक्सोनॉमी विषय पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारंभ वन अनुसंधान संस्थान में किया गया। सेमिनार का उद्घाटन वन अनुसंधान संस्थान के वन संवर्धन एवं प्रबंधन प्रभाग के प्रमुख आरपी सिंह ने किया। आरपी सिंह ने उच्च हिमालयी क्षेत्रों में पारिस्थितिकी में इंसानों के साथ-साथ हिम तेंदुओं के योगदान और उनके संरक्षण पर जोर दिया। अपर प्रमुख वन संरक्षक (वन्यजीव) एवं सिक्योर हिमालय परियोजना के नोडल अधिकारी रंजन कुमार मिश्रा ने पैरा टैक्सोनॉमिस्ट के योगदान की महत्ता बताई। वनस्पति विज्ञान प्रभाग के प्रमुख डॉ. अनूप चंद्रा ने हिमालयी क्षेत्रों में पाए जाने वाले औषधीय पौधों व उन पर मंडरा रहे संकट के बारे में बताया। यूएनडीपी सिक्योर हिमालय परियोजना की राज्य परियोजना अधिकारी अपर्णा पांडे ने प्रशिक्षण कार्यक्रम के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। मा.सि.रि.